SARASWATI ENGLISH HIGH SCHOOL, NARPOLI BHIWANDI.

Maharashtra State Board - English Medium

Grade - 10 | हिंदी लोकभारती

Name: ______________ **Diwali Activity** Date: 21/10/2022

Roll No: _________

Time: 01 Hour(s) Marks: 20

Q1 - सूचना के अनुसार निम्नलिखित कृतियाँ करो: : (10)

अ - पत्रलेखन : (5)

1. सुहास/सुहासिनी परांजपे, 512, प्रतापगंज, सोलापुर से 398, पंचवटी, नासिक निवासी अपने मित्र/ अपनी सहेली को दीपावली की छुट्टी की अपनी योजना के बारे में पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

उमा/उमेश शर्मा, शास्त्रीनगर, अमरावती-444 601 से स्वास्थ्य अधिकारी, महानगरपालिका, अमरावती-444 601 को शहर में 'अशुद्ध जल की पूर्ति होने के उपलक्ष्य में' ध्यान आकर्षित करते हुए पत्र लिखती/लिखता है।

Solution.

15 अक्टूबर, 2018

प्रिय नीरज,

सप्रेम नमस्कार।

अभी कल ही अर्धवार्षिक परीक्षाएँ समाप्त हुई हैं और एक महीने के बाद कुछ फुरसत मिली है। मेरे सभी प्रश्नपत्र अच्छे गए हैं और शानदार सफलता की मुझे पूरी आशा है।

अब तो दीवाली की छुट्टियाँ हैं। मैं अपने बड़े भाई के साथ कल यहाँ से पुणे जाऊँगा और वहाँ एक सप्ताह अपने मामा के घर रहूँगा। यहाँ मैं पहली बार अपने मामा के जन्मदिन की पार्टी में शामिल होऊँगा। वहाँ से हम कोल्हापुर जाएँगे और भवानी मंदिर के दर्शन करेंगे।

कोल्हापुर से ही मैं तुम्हारे यहाँ नासिक आ जाऊँगा। फिर हम साथ में रोज गोदावरी में स्नान करेंगे। शतरंज का खेल भी तो मुझे तुमसे सीखना है। इन छुट्टियों में तुम्हारी कोई योजना हो तो पुणे संदेश भेज देना।

तुम्हारा मित्र,

सुहास,

512, प्रतापगंज,

सोलापुर-413 001।

LMN@xyz.com

अथवा

15 अक्टूबर, 2017

सेवा में

श्री. स्वास्थ्य अधिकारी,

महानगरपालिका,

अमरावती-444 601।

विषय : अशुद्ध जल की पूर्ति होने के संदर्भ में।

महोदय,

मैं एक स्थानीय नागरिक हूँ। यह देखकर बहुत दुख होता है कि पिछले कुछ दिनों से शहर में

अशुद्ध जल की पूर्ति की जा रही है। इसी का यह फल है कि शहर पर कई बीमारियों ने हमला बोल दिया है। पिछले हफ्ते 105 व्यक्ति हैजे के शिकार हुए, जिनमें 25 तो मृत्यु के मुँह में चले गए हैं। इसी तरह लगभग 50 व्यक्ति आंत्रशोथ से पीड़ित हुए। एक विशेष प्रकार के डायरिया के फैलने के भी समाचार मिले हैं। प्रयोगशाला-परीक्षण में पानी में अनेक रोगों के जीवाणु पाए गए हैं।

आश्चर्य है, महानगरपालिका के अधिकारी कानों में तेल डाले बैठे हुए हैं। पता नहीं क्यों उनकी आँखें ही नहीं खुल रही हैं। इस समस्या से नगर के सभी नागरिक बहुत चिंतित हैं। बिना स्वास्थ्य का ख्याल करके इस संबंध में आप तत्काल उचित कदम उठाएँगे।

सहयोग की अपेक्षा के साथ।

भवदीय,

उमेश शर्मा,

शास्त्रीनगर,

अमरावती-444 601।

LMN@rst.com

आ - सूचना के अनुसार कृतियाँ करो: : (5)

1 - गद्यांश पढ़कर चार प्रश्न तयार करो:: (4)

1. **निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों :**

झाँसी में अनेक रानियाँ हुई हैं, किंतु वे केवल झाँसी के राजा की रानियाँ थीं, झाँसी की नहीं। झाँसी की तो केवल एक ही रानी थी, जिसे लक्ष्मीबाई के नाम से पढ़े-लिखे लोग जानते हैं। वे भले ही उसे महारानी लक्ष्मीबाई के उदात्त नाम से पुकारें, परंतु महारानी का सबसे अधिक उपयुक्त नाम 'झाँसी की रानी' ही है। इसी नाम से उसके शत्रुओं ने उसे जान। इसी नाम से उसे भारतवर्ष का बच्चा-बच्चा जानता है और इसी नाम से भारत की भावी संतान भी उसे पहचानेगी।

Solution.

प्रश्न :

(1) झाँसी में कौन-सी रानियाँ हुई हैं?

(2) कुछ पढ़े-लिखे लोग किस रानी को जानते हैं?

(3) महारानी लक्ष्मीबाई का सबसे अधिक उपयुक्त नाम क्या है?

(4) लक्ष्मीबाई को 'झाँसी की रानी' के नाम से कौन-कौन जानते हैं?

2 - व्याकरण **(1)**

1. अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :- (1)

(संपर्क या संबंध स्थापित करना, सहयोग होना)

माली को चोरी के मामले में फँसाने में पहरेदार का भी <u>हाथ था</u>।

Solution.

माली को चोरी के मामले में फँसाने में पहरेदार का भी <u>सहयोग था</u>।

Q2 - निम्नलिखित दो कृतियों में से कोई एक कृति लिखो: (कहानिलेखन या वृत्तान्तलेखन) : (Any 1)

1. **निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उचित शीर्षक दीजिएः** **(5)**

दो कुत्ते - एक सँकरे पुल से गुजरना बीच में आमने-सामने आना - पहले कौन आगे बढ़े - किसी का भी पीछे न हटना - झगड़कर दोनों का पानी में गिरना - दो बकरियों का उसी पुल पर आमने-सामने आना - एक के शरीर के ऊपर से होकर दूसरी का पुल पार करना - कुत्तों का यह देखना - पछतावा सीख।

Solution.

मूर्खता और समझदारी अथवा **मूर्ख कुत्ते और समझदार बकरियाँ**

एक छोटी-सी नदी के दोनों किनारों पर दो गाँव बसे थे। दोनो गाँवों के लोगों के आने-जाने के लिए नदी पर एक छोटा-सा पुल बना हुआ था।

एक बार एक कुत्ता उस नदी के पुल से गुजर रहा था। उसी समय एक दूसरा कुत्ता दूसरी ओर से आ रहा था। नदी का पुल इतना संकरा था कि एक समय एक ही आदमी या जानवर उसके ऊपर से आ-जा सकता था। पुल के बीच में आकर दोनों कुत्ते एक-दूसरे के सामने खड़े हो गए। अब प्रश्न यह था कि कौन आगे बढ़े और कौन पीछे हटे? दोनों कुत्ते आगे ही बढ़ना चाहते थे, पीछे हटने के लिए कोई तैयार न था, दोनों एक-दूसरे की ओर गुर्राने लगे। जब गुर्राने से

कुछ काम न चला, तो वे लड़ने लगे। लड़ते-लड़ते वे दोनों नदी में गिर पड़े। बड़ी मुश्किल से तैरकर वे बाहर आए। वे लड़ने लगे।

कुछ देर के बाद दो बकरियाँ पुल पार करती हुई आमने-सामने आ गई। लेकिन वे समझदार थीं। कुत्तों की तरह लड़ने-झगड़ने के बदले उनमें से एक बकरी नीचे बैठ गई और दूसरी उस पर धीरे से पैर रखकर आगे बढ़ गई। इस तरह दोनों बकरियों ने आसानी से पुल पार कर लिया।

नदी के किनारे पर उन दोनों कुत्तों ने यह सारा दृश्य देखा और अपनी मूर्खता पर पछताने लगे।

सीख : जीवन में सदा समझदारी से काम लेना चाहिए। इससे मुश्किल काम भी आसान बन जाता है।

2.

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 60 से 80 शब्दों में वृत्तांतलेखन कीजिए :

अपनी पाठशाला में मनाए गए 'शिक्षक-दिन' समारोह का वृत्तांत रोचक भाषा में लिखिए। (वृत्तांत में स्थल, काल तथा घटना का उल्लेख होना आवश्यक है।)

Solution.

नूतन विद्यालय में शिक्षक-दिन का शानदार समारोह

(कार्यालय-प्रतिनिधि द्वारा)

शिवाजी नगर, धुलिया के नूतन विद्यालय में 5 सितंबर को डॉ. सर सर्वपल्ली राधाकृष्णन् का जन्मदिन 'शिक्षक-दिन' के रूप में मनाया गया। उस दिन पहले चार घंटे दसवीं कक्षा के तेजस्वी विद्यार्थियों ने शिक्षक बनकर अन्य कक्षाओं के छात्रों को उत्साह से पढ़ाया। पाठशाला के आचार्य से लेकर चपरासी तक की भूमिका विद्यार्थियों ने ही निभाई।

पिछले चार घंटों में पाठशाला के सभागार में शिक्षक दिन का समारोह संपन्न हुआ। इस समारोह की अध्यक्षता जयहिंद कॉलेज के प्राचार्य चतुर्वेदीजी ने की। सभागार को सफेद और पीले फूलों तथा रोशनी से सजाया गया था। सरस्वती-वंदना के बाद विद्यालय के उपप्राचार्य श्री. वि.ए.शाह ने अध्यक्ष महोदय का पुष्पगुच्छ देकर अभिवादन किया और उनका संक्षिप्त परिचय दिया।

इसके बाद चतुर्वेदीजी ने मंच पर रखे डॉ.राधाकृष्णन् के चित्र को पुष्पहार पहनाया। तत्पश्चात अध्यक्ष महोदय, आचार्यजी तथा अन्य वक्ताओं ने शिक्षक की महिमा और कर्तव्य पर प्रकाश डाला। पाठशाला के छात्रों ने 'गुरु-गरिमा' नामक एक लघु नाटिका प्रस्तुत की।

विद्यार्थियों की ओर से प्रत्येक शिक्षक को पुष्पगुच्छ, एक शाल तथा श्रीफल भेंट किया गया। निरीक्षक श्री वर्माजी ने अध्यक्ष महोदय एवं निमंत्रितों के प्रति आभार प्रकट किया।

राष्ट्रगीत के साथ समारोह समाप्त हुआ।

Q3 - सूचना के अनुसार विज्ञापनलेखन कीजिए : (5)

1. निम्नलिखित जानकारी के आधार पर लगभग 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिएः

भारतीय कलात्मक वस्तुओं व परिधानों की अनोखी प्रदर्शनी एवं बिक्री का विज्ञापन बनाइए।

- कालावधि
- समय, स्थान

Solution.

10% छूट, छूट, छूट

आधुनिकता एवं परंपरा का अनोखा दृश्य

काला घोड़ा

ग्रीष्मकालीन अवकाश - 2018

विभिन्न प्रांतो की कलाकृतियाँ व मनोरंजन

- हर स्टॉल के अपने-अपने आकर्षक ऑफर की उपलब्धता।
- प्रत्येक स्टॉल पर आकर्षक व उचित भाव में वस्तुओं की उपलब्धता।

कालावधि :- 10 जून से 10 जुलाई, 2018 तक

समय :- सुबह 09 बजे से रात 10 बजे तक

स्थान :- लक्ष्मी रोड, पुणे ।